नं ४११० –

नाम चतुःषष्टि योगिनी
प्रश्न विद्या

कर्ता × × ×

पत्र सं. ३ — सं. ×

विषय: ज्योतिषम्।

चतुःषष्टियोगिनी प्रश्नविद्या भाषायाम्

४९९०

4990

F. = 3

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १११ | १३१ | २११ | २३१ | ३११ | ३३१ | ४११ | ४३१ | | |
| ११२ | १३२ | २१२ | २३२ | ३१२ | ३३२ | ४१२ | ४३२ | | |
| ११३ | १३३ | २१३ | २३३ | ३१३ | ३३३ | ४१३ | ४३३ | | |
| ११४ | १३४ | २१४ | २३४ | ३१४ | ३३४ | ४१४ | ४३४ | | |
| १२१ | १४१ | २२१ | २४१ | ३२१ | ३४१ | ४२१ | ४४१ | | |
| १२२ | १४२ | २२२ | २४२ | ३२२ | ३४२ | ४२२ | ४४२ | | |
| १२३ | १४३ | २२३ | २४३ | ३२३ | ३४३ | ४२३ | ४४३ | | |
| १२४ | १४४ | २२४ | २४४ | ३२४ | ३४४ | ४२४ | ४४४ | | |

सर्यादीनाम् ...

ॐ श्रीगणेशाय नमः प्रश्नप्रारंभः मंत्रः ॐ नमो भगवति कूष्माण्डिनि सर्वकार्यप्रसाधिनि सर्वनिमित्तप्रकाशिनि स्वाहा ॥ १११
यह सगुन अछा है जो बात है सो होइगा गइ हामि देगा बेपार करेगा और लाभ होएगा तुमारे दिन अछे आए है मनोरथ सफल होएगा निशा
नी गुजर पर है सो देख लेना ॥ १ ॥ ११२ यह सगुन सिद्धि होइगा दूसरा काम चित में है सो न ही सिद्ध होइगा अब दिन सामान्य है कुलदेवी की पूजा
करो चित की चिंता मिटेगी तुमारी स्त्री दुष्ट बोल बोलती है तुम विचारि लेना ॥ ११३ यह सगुन का फल सुनो स्थान लाभ होइ अर्थ लाभ होइ तु
मारे चित की चिंता मिटेगी पुत्र लाभ होइ तुमारे बुरे दिन गए अब दिन अछे आए है तुमारे दहिने हाथ पर तिल है ३ ११४ यह सगुन अछा है
फल की वृद्धि होइ पृथ्वी लाभ होइ सत्संग होइ मित्र से मिलाप होइ पुत्र लाभ होइ आज ते महीना अछा होइ अपने इष्ट देवता की पूजा
करो मनोरथ सिद्ध होइ तुमारे स्त्री के पेट ऊपर तिल है सो देख लेना ॥ ४ ११५ यह सगुन सुनो कोई वृद्धि लाभ होइ कुलदेवता की पूजा करो
धन लाभ होइ सज्जन सो मिलाप होइ तुमार राजा सो चिंता होई ता सो मित्रता होइ तुमारे दहिने ओर तिल है ५ ११६ यह सगुन लाभ का है किर
मदान के विचार मो बडा लाभ है महीना एक में कुशल वृद्धि होइ पर तु विश्वास किसी का न करना तुमारी स्त्री प्यारी बहुत है ६ ११७ य
ह सगुन मंगल का है कुल की वृद्धि होइ स्त्री लाभ होइ सज्जन सो मिलाप होइ परदेश से बडी खुशी आवे दिन पांच मो चिंता मिटेगी पाउना
घा होइ पुत्र लाभ सुख होइ चिंता मिटेगी अब दिन तुमारे अछे आए तुमारी धर्म में प्रीत रहेगी ७ ११८ यह सगुन अछा है भाई सो मि
लाप होगा चिंता मिटे पुत्र लाभ होइ कुलदेवता की पूजा करो धन लाभ होइ तीन दिन मो जो कार्य करो सो सिद्ध होए ॥ ८ ११९ यह सगुन नदा
न करो कल्यान न होगा कुटुंब की बहुती होई गई वस्तु मिले प्रीत टूटी होई होए तो मिलाप होइ दिन तीन मो धन का लाभ होइ पुत्र इक काल सुख
होए एक का मनुष्य ने विचारा है सो विचार कर करना जलदी न करना ईश्वर सब भो बुडी खुसी है तुमारा जीव घर मो नही लगता गुप्त रखना
॥ ९ १२० यह सगुन फते का है तुमने कार्य विचारा सो अछा है बेपार मो लाभ है तुमारे दिन अछे आए आज लाज बेन इष्ट सं भेट होई १० १२१
यह सगुन मध्यम है मन में चिंता उपजे धन की हानि होइ जो मन में विचारी सो न होइ तुमारे घर के पास घक ... है सो देख लेना ११ १२२ य
ह सगुन अछा है इति न से देवे से लाभ होइ तुमारे मध्यम दिन गए अछे दिन आए कुलदेवी की पूजा करो शत्रु नाश होइ तुमारे दहि
ने हाथ पर तिल है १२ १२३ यह सगुन अछा है बेपार में लाभ होइ तुमारे शरीर में पीडा है पाप भय मिटे महीने एक में तुमको बडी खु
शी होइ शरीर की पीडा मिटे रोग लहइ तुमारा स्त्री के साथ बिगाड है सो विचार लेना ॥ १३ १२४ यह सगुन मंगल का है मंगल बधावा हो
ई धन धान्य लाभ होई काहू से प्रीत बढेगी मन की चिंता मिटेगी ... पर रखना जो चाहे सो मिले एक बात हो ले सके

[illegible] ॥ २१ ॥ [illegible]

२११ यह सगुन नेष्ठा है काम वडा मिलेगा धन वडा मिलेगा मित्र और भाई से धन से मिलाप होगा तुमारी घर की स्त्री सदा कलेष मे रहती है १७ २१२

यह सगुन मे सो मंगल वधावा होई सिद्धि लाभ होई मित्र भाई सो मिलाप होई पुत्र धन होई तुम परदेश जाने को कहते हो सो गए सो उत्तम है कुलदे

वी की प्रसाद वाटना तुमारे घर की स्त्री जोरावर है २१३ यह सगुन ने सो चिंता मिटे धन धाम स्त्री पुत्र खुसी मही ने अंदर लाभ होई घर का सुख हो

ई उत्पात मिटे शत्रु नाश तुमारे घर मे दादा का बैर है १९ २१४ यह सगुन ने सो लाभ होई जो वस्तु आई सो धन लाभ होई तुम को गुप्त चिंता है मिटे

दुख दुष्ट धन है उसका भरोसा न करना कुलदेवी की गृह मे टाक रोस मक स्थापना होगा तुमारे छाती मे शस्त्र का दाग है २० २१५ इस सगुन ने सो

तुम को एक बरस का कलेश है तुमारे चित्त चंचल बहुत है दुःख गया मंगल होगा कार्य सिद्ध होगा एक वस्तु छोडे हो सो विचार लेना २१

२१६ यह सगुन मध्यम है मित्र सो विरोध है धन की हानि होई शरीर मे कष्ट होई तुमारी भुजा पर तिल है २२ २१७ यह सगुन मध्यम है कलेस

उपजे काम नहीं होई जो काम करोगे तब लोगन मे वदनाम होगा वेपार मे घाटा होई त्रिया आजु राति को सुपना देखे सो काम हुसरा विचार लेना २३

२१८ यह सगुन सुनो तुमरा किसे स्त्री सो चित्त लगा है अपनी वाप होई एकले था कार गया है मध्यम गया अच्छे दिन आए देवी पूजा करो कार्य होगा

तुमारे वांये पासे तिल है ॥ २४ २१९ यह सगुन सुनो मंगल वधावा होई धन लाभ होई जिस स्त्री की चिंता सो मही नाम मिले वेपार मे लाभ होई तुमा

रे शरीर मे कभी कभी पीर होती है २५ ॥ २२० यह सगुन मध्यम है काम विचारा है सो नहीं होई धन खर्च होगी शरीर कुष्ट कुटुंब भाई स्त्री सो कलेश

होगा धर्म करो तो सुख होई २६ ॥ २२१ ॥ यह सगुन काफ लसुनो कोई अन्न चित्त का महोगा तुम को पराये काम की चिंता है का मृहसमा करना देवता को पू

जन करो तो तेरे काम सिद्धि होई तुमारा इष्टदेव तासे विगर रहता है ॥ २७ २२२ ॥ यह सगुन ने सो तेरा काम है होई गुम किस से कहना नहीं मध्य मंदिर गये

अच्छे आए धन मिले इस्त्री ते उकव वरस व डा ऊगडा रही २८ २२३ ॥ यह सगुन लाभ का है वेपार करो चिंता सब मिटे एक मे प्रीत टूटी है सो मिले स्त्री

न मिले तुमारी स्त्री के पेट पर तिल है २९ २२४ ॥ यह सगुन सो हमना लाभ होई जो चाहे सो मिलेगा शत्रु नाश होगा तुमारे देह हिये हाथ पर तिल है

[illegible] २२५ ॥ यह सगुन सो शरीर अच्छा है तुमारे सुख के दिन आये तुमारे चित्त काम होगा पुत्र लाभ शत्रु नाश होई तुमारे देह हि नेका छ पर तिल है ३

२२६ ॥ यह सगुन मे धर्म से कार्य होगा धर्म संतोष रखना क्रोध न रखना स्त्री पुरुष का सुख होई तुमारे इंद्रिय पर तिल है सो देख लेना ३२ २२७ ॥ यह

सगुन अच्छा है स्थान लाभ होगा चिंता मिटेगी देवता की पूजा करनी ब्रह्म भोजन करावना शत्रु नाश होई कार्य सिद्धि होई स्त्री तुमारा गुसा है ३३ ॥

२२८ ॥ यह सगुन सुनो धन की शत्रु की जीव की चिंता है शत्रु जोर है एक काम करो तो चिंता होई पाछे करना धर्म गुरु की पूजा करो तो अभी भला होता है आज स

[illegible]

प्र. २

३२। यह सगुन में चिंता उपजे बडी दिन तुमारे मध्यम है क्रोध उपजे काम नहीं होय काम हुसयार करना ३३। काम में अपजस होउ एक काम में मही नायक व
लेस है किसी वस्तु की चिंता होगी कोई बात जलदी न ही करना तुमारा कोई सला हीन ही है ३४।२२२ यह सगुन तुम को भला है मन की चिंता मिटे मित्र खुसी
होय शरीर में सुख धन लाभ कार्य सिद्धि स्त्री के साथ प्रीति होवेगी तुमारे शरीर में दाग है ३५।२२३ यह सगुन से जस होगा सुख की वस्तु होई शत्रु नाश
होगा गणेश जी की पूजा करना राजा सों मिलाप ग्रह शुभ धन प्राप्ति होगी स्त्री पुत्र सुख होगा अतर सों लाभ होगा महादेव की पूजा करना ३६।२२४ यह स
गुन शुभ है खेती वेपार में लाभ है श्री चौसठ जी को सिमिरना व्यवहार करो तो नफा होगा मन में विचारा गुप्त चिंता सब मिटेगा ४०।३३१ यह सगुन मं
गल का है मन कामना र्थ तुमारा सिद्ध होई देवता की पूजा करना ब्रह्मभोज करावना वेपार में लाभ होगा धीरज करके तुमारे दहिने हाथ पर तिल
है ४१।३३२ यह सगुन सुनो काम विचारते हो सो न होगा वरस दो सें तुमारा मन किसी से उच्चाट में रहता है धीरज रखना शिवजी की पूजा करना तुमारा मित्र
है सो शत्रु जानना तुमारे छाती पर तिल है ४२।३३३ यह सगुन को फल सुनो मन में काम विचारते हो सो अच्छा है चिंता करना नहि प्रीति तुमारी है काहू बडे से होई
स्त्री पुरुष का सुख होई कुलदेवता की पूजा करना तुमारी गुप्त चिंता मिटेकी तुमारे दहिने अंग पर तिल है ४३।३३४ यह सगुन से लाभ होई श्री महादेवजी का पूजा करना मनोरथ सफल होई यह
काम में लाभ है कोई अजन मै वी मिले मित्र सों लाभ है शरीर में सुख वस्तु रवी होई दुसमन का खरा वहोईगा धनु पाद लाभ होई तुमारे घर में कुशल है ४४।३४१ यह सगुन से बहुत दिन की चिंता
मिटे दुःख मिटे पुत्र सुख होई तुमारा किसी से लडना नहीं है तुमारी विचार लेना ४५।३४२ यह सगुन का फल सुनो तुमारे मन में की चिंता मिटे वस्तु गई हो यसो मिले
प्रीति टूटी होय सो मिले खुसी होय तुमारी इंद्रिय पर तिल है ४६।३४३ यह सगुन से चीति यो कलेस होय हाथ से वस्तु जाय देवता की पूजा करना तुमारे घर में धन है सो विचार ले
ना ४७ यह सगुन लाभ का है वेपार लागे सला हुवै ठेकी कलेस चिंता मिटे स्त्री को सुख होई तुमारे परोसी सेवन ती नहीं है ४८।३४४ यह सगुन मध्यम है धन हानि होई शरीर में पीडा
होई मन में भरम है होई अब धान जाई मन में चिंता वनी रहे है श्री महादेवजी का पूजा करना काछ दिन बीते मंगल होई धन धान्य का लाभ होई मित्र से मिलाप होई तुमारे दहिने हाथ पर ति
ल है ४८।३४४ यह सगुन में स्त्री पुरुष की चिंता है कछु धन की हानि भई है झगडा से चिंता तुमारी थोडे दिन में दूर होयगी मित्र सो मिलाप होई लाभ होई तुमारा सब भला ही है
४९।३४२ यह सगुन सों धन की चिंता है मिटेगी खुशी होयगी राजा से मिलाप होइगा परदेस में काम होइगा स्त्री की चिंता मिटे वस्तु गई मिले मनोरथ सफल होई ५०।३४ यह सगुन म
ध्यम है दुख ना नहीं चिंता है श्री गुरु की पूजा करना फिर पाछे खुसी होए मनोरथ सफल होई चिंता महीना एक में दूर होई तुमारी छाती पर तिल है सो देख लेना ५१।४१ यह सगुन का फ
ल सुनो धन की चिंता है सो मिटे मित्र मिले दिन थोडे आए तुमारे शरीर में गुप्त दाग है ५२।४२१। यह सगुन सुनो एक वरस भये शरीर को सुख नही है कछु धन की हानि भी काम विचार के

प्र. वि.
३

४२२ यह शकुन सों शत्रु की हानि होई हनुमानजी की पूजा करो धन लाभ अर्थ लाभ सज्जन सों मिलाप दुःख के दिन गये होगा मध्यम दिन ग
ये अच्छे दिन आये तुमारे पेट पर तिल है ५३४४४ यह सगुन से चिन्ता पड़े बड़ी विश्वास रखना श्री चौसठी जोगनी की पूजा करना यत्न
करना जलदी नहीं करना खातिर जमा रखना खुशी होगी तुमारे घर का सुख नहीं ५५ यह सगुन से मनोरथ फले गंगाजी का
पूजन करना चिन्ता मिटे संबंधी मिलाप होई दुःख के दिन गये शरीर निरोगी होगा तुमारी स्त्री झूठ बोलती है ५६४४२ यह स
गुन से चिन्ता मिटेगी शिवजी की पूजा करना मंगल होई व्यापार में लाभ होई पुत्र लाभ होई परदेश में लाभ होई सुपने में स्त्री देखि
है जेजाल ५७४४४ यह सगुन से लाभ है गणेशजी की पूजा करो मित्र मिले व्यापार होई बड़े रखुशी होई शत्रु का नाश होगा पुत्र सुख
होगी तुमारी स्त्री धर्मात्मा है ५८४४४ यह सगुन से मनोरथ फले शिवजी की पूजा करो ऊंची नीची बात वडे मुश्किल से मिटे ।
काम विचार के करना ग्रह मध्यम है शरीर में पीड़ा होई तुम अर्थी राजसों काम करना चिन्ता नहीं करना श्री गोपालजी का सुमिरन करना
५९४४१ यह सगुन से काम धर्म से सिद्ध होई ब्राह्मण भोजन करावना कार्य होई आज तांई काम नहीं भया धन हानि भई है इस
राका म में खुशी होय काम विचार के करना श्री गुरु की पूजा करना तुमारी इंद्री पर तिल ६०४४२ यह सगुन से काम नहीं होगा
आपुस में विरोध होगा समाधान से काम करना श्री महादेव की पूजा करना । दूसरे काम में खुशी होगी तुमारी इंद्री पर तिल है
सो देख लेना ६१४४४ यह सगुन से लाभ होई श्री गणेशजी की पूजा करना धन मिलेगा पुत्र सुख मित्र सें मिलाप होगा ब्राह्मण
भोजन करावना स्त्री गर्भवती होगी तुम राजा होगे तुमारे पीठ पर तिल है सो देख लेना ६२४४४ यह सगुन सिद्ध है श्री म
हादेव का पूजन करना ब्राह्मण भोजन करावना काम विचारो सिद्ध होई धन लाभ होई स्त्री पुरुष को सुख होई गई वस्तु
है सो मिले महीना एक में तुम को सुख होई शत्रु का नाश होई राजा सन्मान करे तुमारी इंद्री पर तिल है सो तुम देख लेना

इतिश्रीचौसठजोगिनीप्रश्न विद्यासमाप्त
संवत ५५·५ वासुदेवेन लिखितम् ॥

३